वित्तीय सेवा केंद्र का हुआ अनावरण

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई गुड़गांव) ने अपना वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 आयोजित किया, जो इसे एक यादगार दिन बना देगा। यह छात्रों की उपलब्धियों, संस्थागत महत्वाकांक्षा और भविष्य के नेतृत्व के वादे का एक जीवंत उत्सव था। एमडीआई गुड़गांव की बढ़ती राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करने वाले इस क्षण में, इस कार्यक्रम में भारत में वित्तीय सेवा केंद्र का औपचारिक अनावरण भी हुआ, जो देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को आकार देने की एक अग्रणी पहल है इस वर्ष, 689 छात्रों ने पीजीडीएम, पीजीडीएम-मानव संसाधन प्रबंधन, पीजीडीएम-अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पीजीडीएम-व्यावसायिक विश्लेषण, पीजीडीएम-ऑनलाइन, पीजीडीएम-व्यावसायिक प्रबंधन, पीजीडीएम-व्यावसायिक प्रशासन, प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम और पीजीडीएम-सार्वजनिक नीति और प्रबंधन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री एम. नागराजू, आई.ए.एस. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने नैतिक और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए अपने आह्वान से श्रोताओं को प्रेरित करते हुए दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

एमडीआई गुड़गांव के निदेशक प्रो. अरविंद सहाय ने स्नातक करने वाले समूह को बधाई दी और परिणाम के नेताओं को पोषित करने के लिए संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता पर विचार किया।एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम में, एमडीआई गुड़गांव ने भारत में वित्तीय सेवा केंद्र की स्थापना की घोषणा की, जिसे वित्तीय सेवाओं में अनुसंधान, नीति संवाद और नवाचार के लिए एक राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में देखा गया। एमडीआई गुड़गांव सोसाइटी के तत्वावधान में संचालित, भारत के शीर्ष वित्तीय संस्थानों के मजबूत प्रतिनिधित्व के साथ, केंद्र के पास दानदाताओं के योगदान से 20 करोड़ की कुल राशि होने की उम्मीद है। केंद्र बैंकिंग, बीमा, म्यूचुअल फंड, फिनटेक, एनबीएफसी और धन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में वित्त, अर्थशास्त्र, व्यवहार विज्ञान और विनियमन में अत्याधुनिक शोध पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसकी दोहरी संरचना वित्तीय सेवा विभाग और व्यापक क्षेत्रीय हितधारकों दोनों की सेवा करेगी, उच्च प्रभाव वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी और उद्योग-अकादमिक सहयोग को सुविधाजनक बनाएगी। प्रोफेसर अरविंद सहाय ने कहा, यह केंद्र सिर्फ एक अकादमिक पहल से कहीं अधिक है - यह प्रणालीगत परिवर्तन के लिए एक मंच है।